

स्टेशन पर सभी गाड़ियों में दूसरे सभी यात्रियों की आरक्षण की मांग पूरी की गयी ।

(ग) और (घ). पहले दर्जे की शायि-काओं का कोटा पहले से नियत है । तीसरे दर्जे के गयनयान में इस स्टेशन का कोटा नियत करने के प्रश्न पर पश्चिम रेल-प्रशासन विचार कर रहा है ।

**भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के प्रकाशन**

७२६. श्री क० भे० मालवीय : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् अपने प्रकाशन बेचती है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन प्रकाशनों को खरीदने के लिये पास बनवाने पड़ते हैं; और

(ग) यदि हां, तो लोगों को इस कठिनाई को दूर करने के लिये सरकार क्या पग उठायेगी ?

**कृषि मंत्री (डा० पं० शा० देशमुख) :**

(क) जी हां ।

(ख) से (ग). परिषद् के प्रकाशन कुछ स्थानीय पुस्तक विक्रेताओं पर उपलब्ध हैं ।

कृषि भवन नई दिल्ली में स्थित परिषद् के कार्यालय से प्रकाशनों के खरीदने के लिए ऐसा प्रबन्ध कर दिया गया है जहाँ पर किसी भी पास की आवश्यकता नहीं है ।

**रेलवे सेवा आयोग द्वारा विज्ञापन**

७३०. श्री क० भे० मालवीय : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विभिन्न रेलों के सेवा आयोगों द्वारा अपने विज्ञापन केवल अंग्रेजी में ही छपाये जाते हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या कुछ विज्ञापन हिन्दी में भी छपाये जाने की व्यवस्था की

जायगी; और

(ग) यदि हां, तो कब तक ?

**रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) :**  
(क) जी नहीं ।

(ख) और (ग). मवाल नहीं उठता ।

**रेलवे के डिब्बों में सूचनायें**

७३१. श्री क० भे० मालवीय : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ रेल डिब्बों में रेलवे की सूचनायें अंग्रेजी व अन्य भारतीय भाषाओं में तो होती हैं किन्तु हिन्दी में नहीं होती;

(ख) यदि हां, तो इस प्रकार के डिब्बों में हिन्दी में भी कुछ सूचनायें लिखवाने का प्रबन्ध किया जायगा; और

(ग) यदि हां, तो कब तक ?

**रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) :**

(क), (ख) और (ग). इस सम्बन्ध में जो वर्तमान आदेश है, उसमें यह कहा गया है कि गाड़ी के डिब्बों में जो सूचनाएँ लिखी जाती हैं, वे सब हिन्दी में भी लिखी जायँ । रेल प्रशासनों से कहा गया है कि वे इस आदेश का कड़ाई से पालन कराये ।

**दिल्ली के उपनगरीय स्टेशन**

७३२. श्री क० भे० मालवीय : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के जो उपनगरीय स्टेशन हैं उन पर न तो मुसाफिरों के लिए कोई छाया की व्यवस्था है और न ही उचित प्लेटफार्म हैं;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार इस सम्बन्ध में कोई कदम जल्द ही उठाना चाहती है; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और उसका स्वरूप क्या होगा

**रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) :**

(क) जी नहीं। सभी उपनगरी स्टेशनों पर पटगी के बराबर या ऊँचे प्लेटफार्म बने हुए हैं और कुछ स्टेशनों पर शेड भी बने हुए हैं।

(ख) सवाल नहीं उठता।

(ग) और (घ). जिन उपनगरी स्टेशनों पर शेड नहीं हैं, वहाँ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शेड बनाने का विचार है. वरतों इस काम के लिए धन उपलब्ध हो।

**दिल्ली दुग्ध वितरण योजना से डिपुओं से घी की बिक्री**

७३३. श्री क० भ० मालवीय : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ऐसे किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है कि दिल्ली दुग्ध वितरण योजना द्वारा तैयार किया गया घी सब दूध के डिपुओं पर मिले; और

(ख) यदि हां, तो प्रस्ताव का स्वरूप क्या है ?

**कृषि उपमन्त्री (श्री मो० वे० कृष्णप्पा) :**

(क) और (ख). दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा बनाया गया घी उसके मिल्क डिपुओं से बेचने का कोई प्रस्ताव नहीं है। इन डिपुओं का काम अंश-कालिक कर्मचारियों के द्वारा किया जाता है और वे दो घण्टे के लिए प्रातः और या मध्याह्न बाद कार्य करते हैं और बसारे शहर में फैले हुए हैं। इसके साथ ही, घी का वर्तमान उत्पादन सीमित है और सब डिपुओं की आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया जा सकेगा।

#### **Railway Concession to Nurses**

734. **Shri Chuni Lal:** Will the Minister of Railways be pleased to state for what reasons the Railways do not per-

mit nurses and student nurses (girls) authorized to travel on concession rates from travelling to their destinations by routes other than the direct ones—chosen for reasons of personal safety—and from travelling by Mail or Express Trains?

**The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan):** Concessions for nurses and student nurses, as in the case of other concessions, are permissible by the reasonably direct route between specific stations and are available by mail or express trains only when the journey covers over 480 kilometers (formerly 300 miles). These limitations have been prescribed in order to avoid over-crowding of long-distance trains by short distance passengers and to prevent unintended benefits, they can however, be relaved in individual cases by the individual Railway Administrations, where such a course is justified.

#### **Foodgrains Target during the Third Plan**

735. **Shri D. C. Sharma:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether the Planning Commission has fixed the target of foodgrains production and the necessary allocation under the Third Five Year Plan for Punjab; and

(b) if so, the details thereof?

**The Deputy Minister of Agriculture (Shri M. V. Krishnappa):** (a) and (b). Yes. The target of additional production envisaged during the Third Plan period for Punjab is 18.50 lakh tons and the total production of foodgrains is 78.50 lakh tons. This target of additional production is expected to be achieved from the following schemes:

Major irrigation,  
Minor irrigation,  
Fertilisers and Manures,  
Green Manures,  
Improved seeds,  
Soil Conservation,